ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-२६
दिनांक- मंगलवार, १ मई, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २८.४ एवं २१.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७८ सुबह में एवं दोपहर में ५६ प्रतिशत, हवा की औसत गति १२ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २३.१ एवं दोपहर में ३२.१ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के अनेक स्थानों पर तेज हवा (आंधी) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२ से ६ मई,२०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २ से ६ मई, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते है, ४ मई से आसमान प्रायः साफ रहने की संभावना है। अगले दो-तीन दिनों में उत्तर बिहार के जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है।
- ६ मई तक अधिकतम तापमान ३३ से ३६ डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान २२ से २४ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।
- औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ३० से ४०. प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- किसानों को सलाह दी जाती है की अगले २ से ३ दिनों में हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए कृषि कार्यो में सर्तकता बरतने की आवश्यकता है। रवी मक्का की कटनी तथा सुखाने का काम सावधानीपुर्वक करें।
- ओल की फसल की रोपाई शीघ्र संपन्न करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के ५.० ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर २०-२५ मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में १०-१५ मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद डाले। १५ मई से किसान भाई हल्दी एवं अदरक की बुआई कर सकते हैं।
- गर्मी वाली साब्जीयॉ जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा में लाल भृंग कीट से बचाव हेतु डाइक्लोरवॉस ७६ इ०सी०/ १ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- भिंडी की फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन / १.५ से २ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- भिंडी की खड़ी फसल पर जैसीड एवं बोरर का प्रकोप होने पर नीम आधारित दवाएँ जैसे नीमीगोल्ड, नीमीसाईड का प्रयोग /२उस प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- कद्दू, खीरा, नेनुआ आदि फसलो में चूर्णिल आसिता रोग तथा मकड़ी कीट का प्रकोप होने पर सल्फर आधारित दवाओं का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३०.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ६.२ कम	आज का न्यूनतम तापमानः २१.७ डिग्री सेल्सियस, सामान्य ०.४ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी